स्मृति ज़ूबिन इरानी
Smriti Zubin Irani

सत्यमेव जयते

मंत्री
मानव संसाधन विकास
भारत सरकार

MINISTER
HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

प्रिय साथियो,

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सब को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

स्वतंत्र भारत की संविधान सभा ने सर्वसम्मति से 14 सितम्बर, 1949 को यह निर्णय लिया था कि संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। इसी परिप्रेक्ष्य में 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाने की परंपरा शुरू हुई। 1953 से शुरू इस परंपरा का आज 63वां वर्ष है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि हिंदी एक समृद्ध भाषा है और भारत की राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकता की कड़ी है। भारत के कोने–कोने में इसे समझने और बोलने वाले हैं, चाहे वे दक्षिण भारत के लोग हों या पूर्वोत्तर के, हिंदी सभी को एक सूत्र में बांधे हुए है। हमने राजभाषा हिंदी के जरिये अपनी समृद्ध बौद्धिक परंपरा के साथ आधुनिक ज्ञान को मिलाकर, सफलता के नये आयाम स्थापित किए हैं। जहां तक सरकारी कामकाज में इसके प्रयोग का संबंध है, हमें अपने अंतः मन में ऐसा निश्चय करना होगा और अपना कर्तव्य मानना होगा कि सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग करने के लिए किसी संकल्प की आवश्यकता न पड़े।

आज विश्व भारत को एक उभरती हुई विश्व शक्ति के रूप में देख रहा है। लेकिन यह सपना तभी साकार होगा जब हम राजभाषा हिंदी को ज्ञान–विज्ञान, अर्थव्यवस्था, सूचना प्रौद्योगिकी आदि सभी क्षेत्रों से जोड़ें और इन क्षेत्रों के लाभ जन–जन तक पहुंचें। हालांकि हमने ज्ञान–विज्ञान के साथ–साथ भाषा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है, तथापि हिंदी को सार्वजनिक क्षेत्रों सहित निजी क्षेत्रों में भी अपनाने और प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है। हमें यह भी प्रयास करने चाहिए कि रोजमर्रा का छोटा–मोटा सरकारी कामकाज मूलतः हिंदी में हो और अनुवाद कराने की आवश्यकता कम पड़े, इसके लिए हमें राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति सकारात्मक रवैया अपनाना होगा।

आइये आज हम सब मिलकर 63वें हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर यह दृढ़ निश्चय करें कि हम राजभाषा नीति संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करते हुए अपना सरकारी कामकाज अधिक से अधिक हिंदी में करेंगे।

जय हिंद!

स्मृति इरानी

(स्मृति ज़ूबिन इरानी)

नई दिल्ली

14 सितम्बर, 2015